म्हारा हरियाणा, सक्षम हरियाणा

CREATIVE ANDCRITICAL THINKING

REFERENCE & PRACTICE

MATERIAL

Hindi, Class-8

(ध्वनि व लाख की चूड़ियाँ आधारित)

TESTING AND ASSESSMENT WING

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

GURUGRAM (HARYANA)

प्रतिमान -1 **(ध्वनि कविता आधारित)**

उठ, अग्रसर हो, मनुज तू सब चिंताओं का त्यागकर
दृढ़ हो तुम्हारा मन, सभी शंकाओ का परित्याग कर।

उद्यान में खिल पुष्प सम, संकल्प दृढ़कर हे मनुज !
हर पुष्प में जीवन भरा , हर पात स्पंदन सम मनुज।

प्रकृति परिपूर्ण है, सौंदर्य है बिखरा हुआ ,
वो देख,कांटो में फंसा, है पुष्प भी निखरा हुआ।

हो हाल कैसा भी मगर, पथ को न जाना भूल तुम,
उस ओर जाने के लिए, बस छाँट देना शूल तुम।

विपरीत राहें भी अगर हों, तुम कभी डरना नहीं ,
कर सामना हर वार का, पल-पल कभी मरना नहीं।।

प्रश्न-1.प्रस्तुत कविता का मूल स्वर कैसा है ?

क) निराशावादी ख) संशयवादी ग) प्रयोगवादी घ) आशावादी

प्रश्न- 2.कविता में कुछ तत्सम शब्द दिए गए है, उनमें से कोई चार शब्द चुनकर लिखिए।

प्रश्न-3 जीवन में विपरीत परिस्थिति आने पर क्या करना चाहिए?

क) हार मान लेनी चाहिए ख)डटकर सामना करना चाहिए

ग) चुप्पी साध लेनी चाहिए घ) छिप जाना चाहिए

प्रश्न-4.यदि आपका जन्म आज से 14 साल पहले हुआ था तो आपकी उम्र वर्ष 2038 में कितनी होगी?

प्रश्न-5.यदि 2025 पौधों को एक उद्यान में पंक्तिबद्ध लगाना हो जिसमें पौधों और पंक्तियों की संख्या समान हो तो पंक्तियों की संख्या बताइए ?

अश्विनी शर्मा, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम

प्रतिमान -2 (ध्वनि कविता-साम्य स्व-रचित काव्य पंक्तियाँ)

रात बीती, हुई है फिर भोर
सूरज की किरणों ने थामा ठौर
नया दिन नई उम्मीद है लाता
कौन कहता अंधेरा सब हर ले जाता

देखो, सुनो, महसूस करो
ये प्रकृति के अनुपम उपहार
बदले में न कुछ माँग करें
हैं सब कुछ लुटाने को तैयार

पतझड़ बीती आई बसंत
महकी कली बिखरी सुगंध
क्यूँ हार मानें बाधाओं से
टूटेंगे अब सारे बंध

प्रश्न-1. दिन-रात बनने में किसका योगदान होता है -

क) आसमान ख) बादल ग) चंद्रमा 4) पृथ्वी

प्रश्न-2. 'बाधा' शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए।

प्रश्न-3. प्रकृति के किन्हीं तीन उपहारों के नाम लिखिए |

प्रश्न-4. हमें जीवन में आने वाली बाधाओं से हार न मानते हुए क्या करना चाहिए?

प्रश्न-5. यदि एक दिन में संचित सौर-ऊर्जा से किसी घर की 80 रूपए की बिजली-बचत होती है,तो मार्च महीने में उनकी कुल कितने रूपए की बिजली बचत हुई?

इन्दुबाला, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम

प्रतिमान -3 (लाख की चूड़ियाँ आधारित स्व-रचित गद्यांश)

श्यामा जब भी दादी माँ से मोल-भाव करती , मैं चुपके से सुनती रहती। मोल-भाव होते ही मैं अचानक से कूद पड़ती क्यूँ कि अब समय होता था , श्यामा काकी से मुफ्त उपहार लेने का और उनका आशीर्वाद पाने का। जब वह अपना ममता-भरा हाथ मेरे सिर पर फेरती तो मेरे चेहरे पर मुस्कान खिल उठती। वह अपनी टोकरी से सबसे सुंदर दीया चुनती और मुस्कराते हुए उसे मेरी हथेली पर रख देती। मैं मुट्ठी बंद कर उछलते हुए घर के भीतर भाग जाती। दीवाली का त्योहार जब भी आता श्यामा काकी सिर्फ अनाज से ही नहीं मानती,बल्कि 'नेग' भी लेती। ज्यादा से ज्यादा नेग लेने की उसकी वह मनुहार आज भी भली-भांति याद है।

दीवाली के अलावा भी श्यामा काकी का आवागमन लगा ही रहता था। गर्मियाँ शुरू होने से पहले ही वह चित्रकारी वाले मनमोहक मटके और सुराही दे जाती। अहोई-अष्टमी और करवाचौथ से पहले भी वह सुन्दर- सुन्दर मिट्टी के करवे दे जाती। अवसर चाहे कोई हो वह मेरे लिए उपहार लाना नहीं भूलती थी। कभी वह मुझे मिट्टी की बनी हुई छोटी-सी चक्की देती, कभी चाय पीने का कुल्हड़ तो कभी छोटा-सा मटकानुमा बर्तन जिसका नाम वह 'भोलुआ' बताती थी। उनकी यही आत्मीयता मुझे आज भी उनसे बांधे हुए है।

प्रश्न-1. 'आवागमन' शब्द का वाक्य में प्रयोग करें।

प्रश्न-2. बर्तन बनाने के लिए कैसी मिट्टी अच्छी मानी जाती है?

क) दोमट ख) रेतीली ग) चिकनी घ) लाल

प्रश्न-3 अपने आस-पास से वस्तु के बदले वस्तु के लेन-देन का कोई एक उदाहरण दीजिए |

प्रश्न-4. यदि 70 दीयों की कीमत 140 रूपए है, और गेहूँ की कीमत 20 रूपए प्रति किलो है तो दादी को श्यामा काकी को 70 दियों के बदले कितने किलो गेहूँ देना होगा?

5. प्लास्टिक कप की बजाय मिट्टी के कुल्हड़ का प्रयोग लाभकारी है, कैसे ? कोई एक तर्क दीजिए|

इन्दुबाला, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम

प्रतिमान - 4 **(लाख की चूड़ियाँ पाठ आधारित गद्यांश)**

आधुनिकीकरण की जद्दोजहद के बीच मानव-जाति ने जो आविष्कारों की झड़ी लगाई उसका एक भयावह पहलू अब सबके सामने है| मशीनों के कारण लोग बेरोजगार हो रहे हैं। विज्ञान ने ऐसी मशीनों का आविष्कार कर दिया है जिनके सहारे आज महीनों का काम दिनों में व दिनों का काम घंटों में ही निपटा लिया जाता है। वर्तमान समय में बड़े कामों के अलावा छोटे - छोटे कामों में भी इन मशीनों का इस्तेमाल होने लगा है। जिसके चलते अप्रशिक्षित मजदूर बेरोजगार हो रहे है |गौरतलब है कि आज के वैज्ञानिक युग में खेती का कामकाज भी खेतिहर-मजदूरों पर निर्भर न रहकर मशीनों पर जा टिका है। मशीनीकरण के बढ़ते दौर का ख़ामियाजा सबसे अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में अपना पुश्तैनी काम धंधा करने वाले लोगों पर पड़ा है। इनमें कपड़ा बुनने वाले, कपड़ा रंगने वाले, बर्तन बनाने वाले, ईंट बनाने वाले, चूड़ियाँ बनाने वाले आदि सभी कामगार शामिल हैं। बढ़ते मशीनीकरण के चलते अब इन कामगारों को काम नहीं मिलता जिससे पूरे देश में हजारों लोग काम की तलाश में प्रतिवर्ष शहरों में पलायन करने को विवश हैं | हालांकि सरकार द्वारा मनरेगा के माध्यम से वर्ष में सौ दिनों का रोजगार उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रश्न-1. 'बढ़ते मशीनीकरण' का कोई एक दुष्प्रभाव लिखिए ।

प्रश्न-2. कृषि-कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली किन्ही दो मशीनों के नाम लिखिए।

प्रश्न-3. भारत सरकार द्वारा संचालित ग्रामीण रोजगार की योजना है-

क) साक्षरता अभियान　　ख) महात्मा गांधी स्वच्छ भारत योजना

ग) मनरेगा योजना　　घ) आयुषमान योजना

प्रश्न-4. 22 मजदूर किसी काम को 18 दिन में करते हैं। कितने मजदूर उसी काम को 12 दिन में करेंगे? - (क) 30 (ख) 33 (ग) 36 (घ) 39

प्रश्न-5. यदि एक मजदूर प्रतिदिन 250 रूपए कमाता है जिसमें से 50 प्रतिशत अपने घर भेजता है और 15 % किराए पर खर्च करता है तो बताए उसके पास मास के अंत में अन्य खर्च के लिए कितने रूपए शेष बचते हैं ?

डॉ० अजय सिंह प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मात्रशाम (हिसार)

प्रतिमान - 5 (लाख की चूड़ियाँ पाठ आधारित गद्यांश)

खेती - औजार समेत लोहे के अन्य उपकरण बनाकर गांव - गांव जाकर बेचने वाले 'गाड़ी - लोहार' इस मशीनी - युग में बेरोजगारी की कगार पर आ चुके हैं। करीब चार दशक पहले लोग कृषि औजारों से लेकर अन्य घरेलू उपकरण इन्हीं लोहारों से खरीदते थे। लेकिन अब आलम ऐसा है कि लोगों को मशीन से बनाए गए औजार व घरेलू उपकरण ज्यादा भा रहे हैं। यही कारण है कि लोहारों का व्यापार ठप्प हो गया है। लोहार समुदाय न सिर्फ बेरोजगारी की मार झेल रहा है बल्कि आज वह अपने अस्तित्व की लड़ाई भी लड़ रहा है । इन लोहारों में बहुत कम परिवार ही ऐसे हैं जिनके पहचान पत्र , वोटर कार्ड आदि बने हुए हैं। पहचान-पत्र आदि न बनने का मुख्य कारण यह भी माना जा सकता है कि इस समुदाय का कोई स्थायी निवास नहीं होता है। यह समय - समय पर कारोबार के लिए अपना बसेरा बदलते रहते हैं। कुछ वर्ष पहले तक इस समुदाय के आर्थिक हालात ठीक थे।लेकिन आज परिस्थिति याँ बदल गई हैं , जिसके कारण इन लोगों का कारोबार समाप्त होने की कगार पर है। यह संकट इनके रोजगार के साथ - साथ इनके अस्तित्व और इनकी अनूठी संस्कृति पर भी है।

गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें -

प्रश्न- 1 लोहार समुदाय की बेरोजगारी का सबसे बड़ा कारण कौन -सा है?

क) पहचान पत्र का न होना।

ख) स्थायी निवास की समस्या।

ग) मशीनी युग का आ जाना।

घ) व्यापार का ठप्प हो जाना।

प्रश्न-2 बेरोजगारी के साथ साथ गाडी–लोहार समाज और किन –किन चुनौतियों का सामना कर रहा है?

प्रश्न-3 यदि 3 कस्सी की कीमत 450 रु और 4 खुरपी की कीमत 140 रु हो तो 2 कस्सी और 6 खुरपी का मूल्य क्या होगा?

प्रश्न4-अपने आस-पास के किन्ही तीन काश्तकारों के नाम लिखिए ।

प्रश्न 5-आपके विचार से आजकल लघु उद्योग बंद होते जा रहे हैं,इसके लिए उत्तरदायी किसी एक कारण के बारे में लिखिए।

-ओम प्रकाश, प्रवक्ता , रा०व०मा०वि० मीठी सुरेरां, ब्लाक ऐलनाबाद, सिरसा

प्रतिमान - 6 (सरसों का तेल आधारित विज्ञापन)

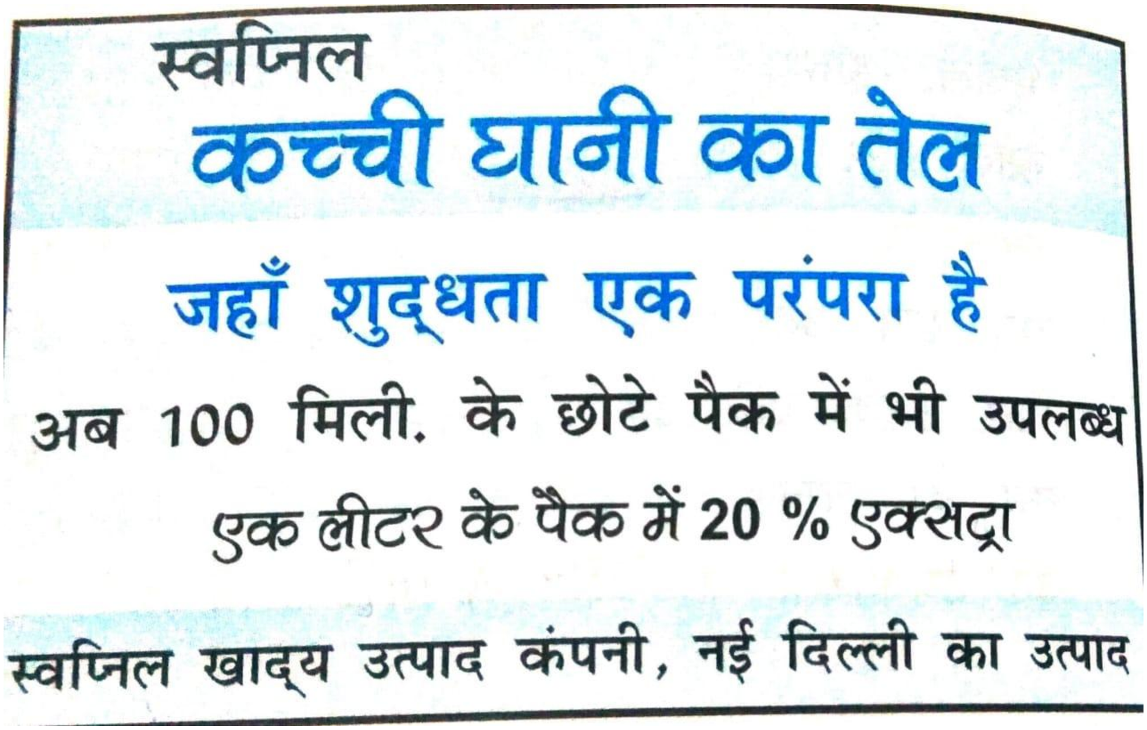

प्रश्न-1 उपर्युक्त उत्पाद किस कंपनी ने बनाया है ?

प्रश्न 2 यदि 1 लीटर के पैक में 20 % अतिरिक्त तेल आया तो ग्राहक को कितने मिलीलीटर तेल अतिरिक्त मिला ?

प्रश्न-3 सरसों के अतिरिक्त दो अन्य तिलहन फसलों के नाम लिखिए

प्रश्न 4 यदि 100 ml का पैक 15 रूपए का आता है तो 7.5 लीटर तेल की कीमत क्या होगी ?

प्रश्न 5 स्वप्निल शब्द है -

क) संज्ञा ख) सर्वनाम ग) क्रिया घ) विशेषण

-स्वीटी ,प्रवक्ता,रा०व०मा०वि० सेक्टर 4-7 ,गुरुग्राम

प्रतिमान -7 (बाघ संरक्षण आधारित विज्ञापन)

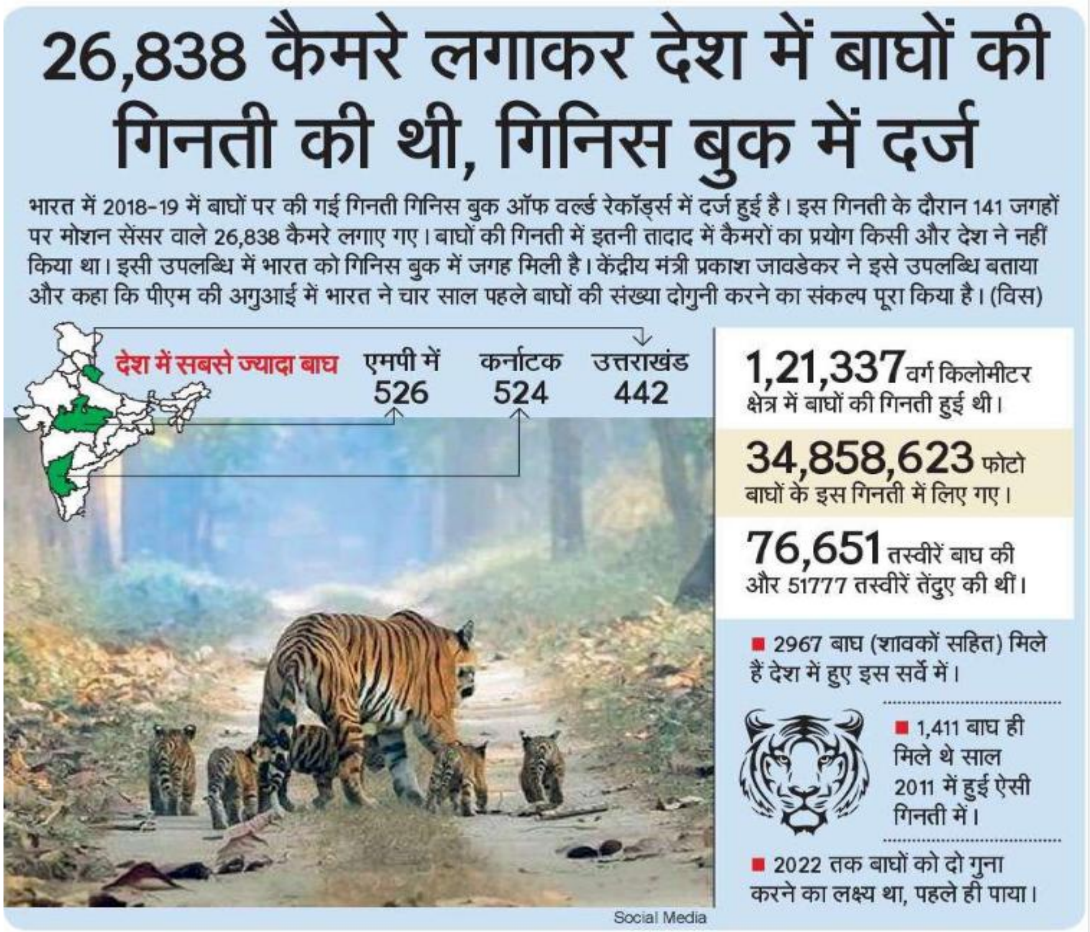

26,838 कैमरे लगाकर देश में बाघों की गिनती की थी, गिनिस बुक में दर्ज

भारत में 2018-19 में बाघों पर की गई गिनती गिनिस बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में दर्ज हुई है। इस गिनती के दौरान 141 जगहों पर मोशन सेंसर वाले 26,838 कैमरे लगाए गए। बाघों की गिनती में इतनी तादाद में कैमरों का प्रयोग किसी और देश ने नहीं किया था। इसी उपलब्धि में भारत को गिनिस बुक में जगह मिली है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने इसे उपलब्धि बताया और कहा कि पीएम की अगुआई में भारत ने चार साल पहले बाघों की संख्या दोगुनी करने का संकल्प पूरा किया है। (विस)

1,21,337 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बाघों की गिनती हुई थी।

34,858,623 फोटो बाघों के इस गिनती में लिए गए।

76,651 तस्वीरें बाघ की और 51777 तस्वीरें तेंदुए की थीं।

- 2967 बाघ (शावकों सहित) मिले हैं देश में हुए इस सर्वे में।
- 1,411 बाघ ही मिले थे साल 2011 में हुई ऐसी गिनती में।
- 2022 तक बाघों को दो गुना करने का लक्ष्य था, पहले ही पाया।

विज्ञापन आधारित प्रश्न-

प्रश्न-1. बाघ तथा अन्य जंगली जानवरों की संख्या लगातार कम क्यों होती जा रही है? कोई एक उपयुक्त कारण लिखिए

प्रश्न-2. चित्रांकित हरे रंग के प्रदेशों के नाम लिखिए

प्रश्न-3 समाचार के आधार पर बताइए कि गिनीज-बुक में किस उपलब्धि को स्थान मिला है?

प्रश्न-4. बाघों की गिनती करने के लिए ली गई तस्वीरों में से बाघ और तेंदुए की तस्वीरों का प्रतिशत भाग ज्ञात कीजिए।

प्रश्न-5. 2011 के 'बाघ -संरक्षण' सर्वे के आधार पर निर्धारित लक्ष्य को कितने वर्ष पहले पूरा कर लिया गया?

-डॉ० अजय सिंह, प्राध्यापक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मात्रशाम (हिसार)

प्रतिमान -8 (पोषण पखवाड़ा आधारित विज्ञापन)

प्रश्न-1 पोषण पखवाड़ा भारत सरकार के किस मंत्रालय द्वारा चलाया गया है?

क. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

ख. मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय

ग. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

घ. खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग

प्रश्न-2 पोषण पखवाड़ा 2020 की थीम क्या थी?

क. हर पोषण सेहत के नाम

ख. जागोगे, तो ही आगे बढ़ोगे

ग. हर काम देश के नाम

घ. मेरी ज़िम्मेदारी,देश के नाम

प्रश्न- 3 विज्ञापन के अनुसार ज़िम्मेदार पुरुष बनने के तीन मूलमंत्र क्या हैं?

प्रश्न-4 एक पखवाड़े के अंतर्गत दिनों की संख्या होती है -

क) 30 दिन ख) 7 दिन ग) 15 दिन घ) 365 दिन

प्रश्न-5 यदि एक व्यक्ति के लिए एक दिन पोषक आहार का खर्च 40 रूपए हो तो परिवार के 4 सदस्यों का एक पखवाड़े का खर्च कितना होगा

-चेतन जाठोल, बी0 आर0 पी0 हिन्दी, मातनहेल, झज्जर

प्रतिमान -9 (निमंत्रण पत्र आधारित)

ऋतुओं के राजा वसंत के आगमन की बधाई व शुभकामनाएं !

वसंतोत्सव आमंत्रण

रोहतक शहर वासियों को बसंत पंचमी के पावन अवसर पर मानसरोवर स्थित श्रीराम रंगशाला में दिनांक 29 जनवरी 2020 को आमंत्रित किया जाता है|

उत्सव प्रारंभ समय प्रातः 9:00 बजे|

उत्सव समापन शाम 5:30 बजे |

मुख्य आकर्षण :-

-सरस्वती पूजन व दीप प्रज्वलन -प्रातः 9:00 से 9:30 तक|

-शहर के मेयर आदरणीय मनमोहन गोयल द्वारा

- लोक-गायकों की प्रस्तुति -प्रातः 9:30 से 10:30 बजे तक |

-लोक-नर्तकों द्वारा प्रस्तुति प्रातः - 10:40 से 11:40 बजे तक |

-वसंतऋतु पर टेलीफिल्म- मध्याह्न 12:00 बजे से 1:00 बजे तक |

उत्सव विशेष भोजन व्यवस्था-:

-विभिन्न स्थानीय व्यंजनों का प्रबंध भी किया गया है |

-मुख्य व्यंजन हलवा, केसरिया चावल, खीर

-भोजन समय - दोपहर 1:00 से 3:00बजेतक

बच्चों व बड़ों के लिए विशेष आकर्षण-:

- विभिन्न प्रकार के झूले पर झूले|

-पतंग व डोर खरीदने हेतु स्टाल |

समय -दोपहर 3:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक

ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर उत्सव का आनंद उठाएं|

आयोजक-: मैना टूरिज्म रोहतक व नगर निगम रोहतक|

निमंत्रण पत्र आधारित प्रश्न-

प्रश्न-1. वसंत ऋतु का आगमन किस ऋतु के बाद होता है?

प्रश्न-2. वसंत अगर ऋतुओं का राजा है तो ऋतुओं की रानी किस ऋतु को कहा जाता है?

प्रश्न-3.आपके विचार से बसंत पंचमी के अवसर पर पीलेरंग के वस्त्र क्यों पहने जाते हैं?

प्रश्न-4. एक लोक गायक अपनी प्रस्तुति 5 मिनट में पूरी करता है तो बताइए 1 घंटे 30 मिनट में कितने लोक-गायक अपनी प्रस्तुति दे सकेंगे?

प्रश्न-5.प्रस्तुत निमंत्रण-पत्र के अनुसार में वसंतोत्सव कुल कितने घंटे चलेगा?

-रेणुका,प्रवक्ता,रा०क०व०मा०वि० चांदी,लाखन माजरा,रोहतक

उत्तरमाला:

प्रतिमान -1

उत्तर -1 - आशावादी

उत्तर -2 – छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -3- डटकर सामना करना चाहिए।

उत्तर -4 - 32 वर्ष

उत्तर -5 - 45

प्रतिमान -2

उत्तर -1 - पृथ्वी

उत्तर -2- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -3- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -4 - छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -5 - 2480 रूपए

प्रतिमान -3

उत्तर -1 - छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -2- चिकनी मिट्टी

उत्तर -3- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर - 4- 7 क़ि. ग्राम

उत्तर -5- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

प्रतिमान -4

उत्तर -1 - छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -2 - छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -3 मनरेगा योजना

उत्तर -4 - 33 दिन

उत्तर -5 -3187 रूपए 50 पैसे

प्रतिमान -5

उत्तर -1- मशीनी युग का आ जाना

उत्तर -2 - छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -3- 510 रूपए

उत्तर -4- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -5- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

प्रतिमान -6

उत्तर -1 स्वप्निल खाद्य उत्पाद कंपनी दिल्ली

उत्तर -2 -200 ml

उत्तर -3- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -4 -1125 रु

उत्तर -5-विशेषण

प्रतिमान -7

उत्तर -1- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -2-मध्यप्रदेश ,कर्नाटक ,उत्तराखंड

उत्तर -3 -बाघों की गिनती के लिए

उत्तर -4 - बाघ - 0.21% तथा तेंदुआ 0.14 %

उत्तर -5 - 3 वर्ष

प्रतिमान -8

उत्तर -1- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

उत्तर -2-हर काम देश के नाम

उत्तर -3- पत्नी की शान बने , माँ का अभिमान बने , बच्चे की जान बनें

उत्तर - 4 - 15 दिन

उत्तर -5 -2400 रूपए

प्रतिमान -9

उत्तर -1- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -2- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -3- छात्र स्व-विवेक से उत्तर देंगे ।

उत्तर -4 - 18 कलाकार

उत्तर -5 - 8.30 घंटे